RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 099
दि. 07.08.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

'अभी और प्रतिबंध देखने को मिलेंगे', ट्रंप ने दी धमकी, भड़का एमईए,कहा-अविवेकपूर्ण फैसला

टैरिफ कार्ड खेल रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर व्यापार शुल्क बढ़ा दिया है। उसने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का आदेश दिया है। इन अतिरिक्त शुल्कों का मतलब है कि ऑटो पार्ट्स, कपड़ा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे भारतीय निर्यात उत्पादों की लागत बहुत अधिक हो जाएगी। इस्पात, रसायन और फार्मा उद्योग भी इससे प्रभावित होंगे।

ट्रंप के इस कदम पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने बयान जारी कर अमेरिका के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

चीन जाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर ब्रिक्स मिलकर देगा मुंहतोड़ जवाब

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस आदेश ने वैश्विक आर्थिक रिश्तों में हलचल मचा दी है। जवाबी रणनीति के तौर पर भारत अब अकेले नहीं, बल्कि ब्रिक्स जैसे मजबूत अंतरराष्ट्रीय मंच के जरिए संयुक्त कदम उठाने की तैयारी में है।

इसी कूटनीतिक पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद चीन जा रहे हैं, जहां वो शंघाई सहयोग संगठन समिट में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा अमेरिका को एक ठोस संदेश देने का मंच भी बन सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि वह 'राष्ट्रीय हितों की रक्षा' के लिए जरूरी कदम उठाएगी। ऐसे में ब्रिक्स मंच अब सामूहिक रणनीति के लिए अहम बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त के अंत में चीन के तिआनजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (रउड) समिट में हिस्सा लेने जा रहे हैं। यह उनकी सात साल बाद चीन यात्रा होगी और माना जा रहा है कि यह दौरा भारत-चीन संबंधों को सामान्य करने की दिशा में एक और कदम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, मोदी की इस यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की संभावना है। इस बैठक में एलएसी पर तनाव घटाने, सीधे फ्लाइट्स बहाल करने, बॉर्डर ट्रेड खोलने और लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

हालांकि रिश्तों में नरमी के संकेत हैं, लेकिन भारत की चिंता अभी भी चीन की कई गतिविधियों को लेकर बनी हुई है। जैसे ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम बनाना और मई में भारत-पाक टकराव के दौरान चीन का पाकिस्तान को समर्थन देना।

मोदी के चीन दौरे से पहले जापान जाना तय है, लेकिन वहां के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा पर पार्टी के अंदर से इस्तीफे का दबाव है। फिर भी अगर मुलाकात होती है तो उसमें भारत में जापानी निवेश, इंडो-पैसिफिक में सुरक्षा और व्यापार सहयोग पर चर्चा होगी।

यूसीसी पर गठित समिति की अध्यक्ष सेवानिवृत्त जस्टिस श्रीमती रंजना देसाई तथा सदस्यों ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से भेंट की

गांधीनगर, 05 अगस्त : राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की आवश्यकता का आकलन करने तथा कानून का मसौदा तैयार करने के लिए गठित समिति की अध्यक्ष एवं उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना देसाई तथा पाँच सदस्यों ने मंगलवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट-बैठक की।

इस मुलाकात-बैठक के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को समिति के कामकाज की प्रगति का विवरण दिया। इस बैठक में विधि मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल तथा गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संभवी भी सहभागी हुए।

समिति के अन्य सदस्य सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री सी. एल. मीणा, अधिवक्ता श्री आर. सी. कोडेकर, पूर्व कुलपति श्री दक्षेश ठाकोर तथा सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री गीताबेन श्रॉफ इस बैठक में उपस्थित रहे।

इसके अलावा; मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, कार्यवाहक विधि सचिव श्री उपेन्द्र भट्ट तथा वरिष्ठ अधिकारी भी इस शिष्टाचार-भेंट में शामिल हुए।

पाकिस्तानी खिलाड़ी ने लगाया भारत पर बॉल टेम्परिंग का आरोप, ओवल टेस्ट की गेंद का लैब टेस्ट कराने की मांग

भारत की तरक्की किसी भी क्षेत्र में हो लेकिन पाकिस्तान को नहीं पचती। क्रिकेट को लेकर भी कुछ ऐसा ही है। हाल ही में पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश में जाकर टी20 सीरीज में पिटाई खाकर आई है लेकिन टीम इंडिया द्वारा ओवल टेस्ट में जीत दर्ज करने से उनको दर्द हुआ है। पाकिस्तान के एक पूर्व क्रिकेटर ने भारत के ऊपर बॉल टेम्परिंग का आरोप लगा दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आकर इस खिलाड़ी ने कुछ अनर्गल बातें कही है। यह क्रिकेटर कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान का पूर्व क्रिकेटर शब्बीर अहमद है।

आठ अगस्त को बिहार दौरे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, दरभंगा में आज लगेगा जॉब कैंप

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में हलचल हो या गवर्नमेंट का कोई बड़ा फैसला। विकास कार्यों की प्रगति हो या जनता से जुड़े अहम कार्यक्रम- बिहार टुडे में आपको सबसे पहले मिलेगा राज्य से जुड़ा हर बड़ा अपडेट। आइए जानते हैं आज 7 अगस्त को क्या-क्या होने वाला है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की हलचल के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 8 अगस्त को पटना आ रहे हैं। अमित शाह के आने का कार्यक्रम पहले 7 अगस्त को तय था लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है। वह दरभंगा होते हुए पुनौराधाम जाएंगे। वे रात करीब 9 बजे पटना एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे और उसी रात बीजेपी नेताओं से बैठक करेंगे।

अमित शाह सीतामढ़ी में आयोजित माता जानकी मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। विधायक मिथिलेश

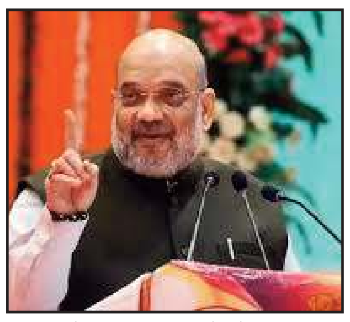

कुमार ने भूमि पूजन को लेकर जनता को अक्षत (चावल) देकर व्यक्तिगत रूप से न्योता दिया है।

दरभंगा में 30 पदों के लिए नौकरी का मौका

नवा भारत फर्टिलाइजर्स लिमिटेड द्वारा 7 अगस्त को दरभंगा के संयुक्त श्रम भवन, लहेरियासराय में जॉब कैंप का आयोजन किया जाएगा।

यह कैंप निःशुल्क है और चयनित अभ्यर्थियों की पोस्टिंग दरभंगा, समस्तीपुर व मुजफ्फरपुर में होगी।

मुजफ्फरपुर में एक और जॉब कैंप, इस बार 50 पदों पर भर्ती

बेरोजगार युवाओं के लिए एक और अच्छी खबर है। 7 अगस्त को मुजफ्फरपुर के गन्नीपुर स्थित संयुक्त श्रम नियोजनालय भवन में एक दिवसीय जॉब कैंप आयोजित होगा।

यह कैंप बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत अवर प्रादेशिक नियोजनालय द्वारा आयोजित किया जाएगा। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार पाने का यह एक बेहतरीन अवसर है।

एनटीपीसी के चेयरमैन और एमडी श्री गुरदीप सिंह ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से की शिष्टाचार भेंट

गुजरात और एनटीपीसी के बीच पारस्परिक हित की परियोजनाओं में सहयोग के अवसर बढ़ाने को लेकर हुआ विचार-विमर्श

गांधीनगर, 06 अगस्त : नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री गुरदीप सिंह ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से बुधवार को गांधीनगर में शिष्टाचार मुलाकात की।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में देश का एक अग्रणी राज्य है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री के साथ शिष्टाचार मुलाकात बैठक में एनटीपीसी के चेयरमैन ने रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, न्यूक्लियर और पम्प्ड स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में एनटीपीसी और गुजरात के बीच पारस्परिक हित की परियोजनाओं में सहयोग के अवसर बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया।

मुख्यमंत्री के साथ इस मुलाकात के दौरान एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री सरित माहेश्वरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भोजूबीर-सिंधोरा मार्ग से क्यों हटाई गई सैयद बाबा की मजार? जानिए कार्रवाई के पीछे की वजह

भोजूबीर-सिंधोरा मार्ग पर मौजूद सैयद बाबा की मजार को आखिरकार प्रशासन ने हटा दिया है। लोक निर्माण विभाग ने पुलिस बल की मौजूदगी में मजार को हटवाकर सड़क को पूरी तरह समतल करा दिया। यह मजार लंबे समय से सड़क के बीच आकर ट्रैफिक में रुकावट पैदा कर रही थी।

स्थानीय लोगों की मानें तो इस रास्ते पर अक्सर जाम और हादसे होते थे, जिनकी वजह यही अतिक्रमण माना जा रहा था। पहले कई बार मांग उठी, लेकिन कार्रवाई टलती रही। अब प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए मजार हटवा दिया। इससे अब शहर में अन्य स्थानों पर भी अतिक्रमण करने वाले डरे हैं।

नया इतिहास : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के नाम पर बिहार गौरव उद्यान थीम पार्क

(जीएनएस)।

बिहार के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 14.98 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 'देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार गौरव उद्यान' (वेस्ट-टू-वंडर थीम पार्क) का शिलान्यास किया।

इस विशेष अवसर पर उन्होंने देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति को चिरस्थायी रूप देने और इस क्षेत्र के सौंदर्य को बढ़ाने के उद्देश्य से यह थीम पार्क एक महत्वपूर्ण पहल है।

हंर३ी ३ड्ड हड्डल्लीं१ ढं१'

'वेस्ट-टू-वंडर' थीम पार्क में क्या होगा खास?

इस परियोजना से न केवल स्थानीय लोगों को लाभ होगा, बल्कि यह पटना के पर्यटन मानचित्र पर भी एक नई

पहचान बनाएगा। नगर विकास एवं आवास विभाग की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत, 10 एकड़ भूमि पर बनने वाला यह पार्क डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि स्थल और जेपी गंगा पथ के बीच विकसित किया जा रहा है। पार्क में निम्नलिखित विशेषताएं शामिल होंगी:

बिहार की महान विभूतियों- आर्यभट्ट, चाणक्य, सम्राट अशोक, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, दशरथ मांझी की प्रेरणादायक गाथाओं को थीम आधारित कला-रूप में दशार्या जाएगा।

स्थापत्य धरोहरों की झलक- नालंदा, विक्रमशिला, धार्मिक स्तूप, मंदिर और मकबरे पार्क की सजावट और डिजाइन का हिस्सा होंगे।

तुष्टीकरण से सरकार चलाने वाले आज घर के हैं न घाट के: सीएम योगी

मुरादाबाद, 6 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मुरादाबाद में ₹79 करोड़ की लागत से निर्मित अटल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो लोग तुष्टीकरण की राजनीति कर के सत्ता में आते थे, वे आज घर के हैं न घाट के। ऐसे लोग ना तो समाज के साथ खड़े हो पाए, न ही भविष्य की पीढ़ी के साथ। सीएम योगी ने साफ कहा कि भाजपा की योजनाएं तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण पर आधारित हैं जो बिना भेदभाव के हर व्यक्ति तक पहुंचती हैं। उन्होंने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि एक दौर था जब तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों के लिए सत्ता केवल एक दुकान थी।

जेल से निकलते ही अनंत सिंह ने सीएम नीतीश के लिए कर दी बड़ी भविष्यवाणी, क्या कहा?

बिहार की सियासत में 'छोटे सरकार' नाम से मशहूर पूर्व विधायक अनंत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पटना हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद मंगलवार को वे जेल से रिहा हो गए। जेल से बाहर आते ही अनंत सिंह ने अपने चिर-परिचित अंदाज में मीडिया से बात की और विरोधियों पर सीधा हमला बोला। खास बात यह रही कि उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की और कहा कि नीतीश जी अभी 25 साल और मुख्यमंत्री रहेंगे। यह बयान ऐसे समय में आया है जब बिहार में सियासी हलचल तेज है।

'रामायण' का असली बजट सुन अच्छे-अच्छे मेकर्स साध लेंगे चुप्पी, नमित की फिल्म का खर्च जान थर्रा जाएगा हॉलीवुड

(जीएनएस)।

रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म'रामायण' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बनने जा रही है। इस फिल्म की मेकिंग में मेकर्स पानी की तरह पैसा बहाने के लिए तैयार हैं। क्योंकि वो इस फिल्म को बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में दिल खोलकर खर्च किया जा रहा है। फिल्म का एस्टिमेट बजट पहले 835 करोड़ रुपये था। लेकिन बाद में खबर आई कि 4000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस तरह यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बन जाएगी। इन सबके बीच फिल्म के प्रोड्यूसर और अकेडमी अवॉर्ड विनर नमित मल्होत्रा का एक बयान सामने आया है। जिसके बाद सब चौंक गए हैं।

ट्रेड एक्सपर्ट कोमल नाहटा ने फरीदून शहरयार के पॉडकास्ट में

नमित मल्होत्रा की रामायण से जुड़ी कुछ बातें बताई। इसमें उन्होंने कहा, "मैंने नमित से पूछा कि 'रामायण' का बजट वाकई में 4000 करोड़ रुपये है? वो मेरा सवाल सुनकर दुखी हो गए, फिर बोले, मैं बिल्कुल भी बजट कैल्कुलेट नहीं कर रहा। मैं बस इसे अपनी पूरी शिद्दत से बनाना चाहता हूं। भारत भी ऐसी कहानी कह सकता है। एक भारतीय ऐसी फिल्म बना सकता है। मैं इस चीज को दुनिया को दिखाना चाहता हूं। इसके लिए मैं कुल बजट का तीन गुना तक लगाने को भी तैयार हूं। कोमल की ये बात सुनकर ऐसा लग रहा है कि नमित फिल्म पर 12000 करोड़ रुपये खर्च करने को तैयार हैं।

नमित इस फिल्म को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से 30 से 50 भाषाओं में रिलीज करने की प्लानिंग में हैं। इस प्रोजेक्ट से म्यूजिक के लिए हान्स जिमर और एआर रहमान जुड़े हैं। बतौर प्रौड्यूसर नमित के साथ हॉलीवुड की 'ओपनहाइमर' और 'बैटमैन ट्रिलजी' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुके चार्ल्स रोवेन ने हाथ मिलाया है।

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति चुनाव की राजनीतिक तैयारी शुरू

उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक गहमागहमी शुरू हो गई है। संसद के हालांकि दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के दलीय समीकरण में सत्तारूढ़ राजग के पास अपने उम्मीदवार को जीताने के लिए पर्याप्त संख्या तो है पर फिर भी लगता है कि इस बार यह चुनाव आसान नहीं होगा। विपक्ष चुनौती देने की तैयारी में लगा हुआ है। बेशक, विपक्ष चुनौती तो दे सकता है पर बिना बड़ी सेंध के उलटपेर करने की स्थिति में नहीं लगता। पर राजनीति अनिश्चिताओं का खेल है वुछ भी हो सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उपराष्ट्रपति के चुनाव में पार्टी लाइन पर कोई व्हिप जारी नहीं होगा। सांसदों को अपनी आत्मा के अनुसार वोट करने का अधिकार होता है। इसीलिए ऐसे चुनावों में व्रास वोटिंग का बड़ा खतरा रहता है। पहले बात करते हैं सत्ता पक्ष की। भाजपा और उनके सहयोगी दलों की। भाजपा चाहेगी कि उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसा उम्मीदवार चुना जाए जो उनका समर्थक हो और सरकार की लाइन पर चले। यह काम श्री जगदीश धनखड़ ने शुरू-शुरू में बाखूबी किया था।

यह और बात है कि उनका अंत अच्छा नहीं हुआ। उधर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहती है कि जो भी उम्मीदवार हो वो संघ की पसंद व समर्थक हो।

वह सरकार की लाइन पर चलने वाला नहीं हो। एक नेता ने कहा कि पिछली बार जब धनखड़ को उपराष्ट्रपति बनाया गया था उस वक्त भी संघ परिवार में इसे लेकर चर्चा थी। इस बार लगभग सभी मान रहे हैं कि संघ अपनी विचारधारा को समझने वाला उम्मीदवार ही चाहता है। दक्षिण भारत की सियासी पार्टियां चाहती हैं कि जब राष्ट्रपति उत्तर से है तो कम से कम उपराष्ट्रपति तो दक्षिण भारत का हो। इससे देश में एकता आएगी। वहीं यह जानते हुए कि भाजपा का पलड़ा भारी है फिर भी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन एक साझा उम्मीदवार उतारने की रणनीति पर काम कर रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 7 अगस्त को डिनर पर विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ मंथन करेंगे। सूत्रों का कहना है कि योजना बिहार या आंध्र प्रदेश के किसी नेता को उम्मीदवार बनाने की है जिससे भाजपा के दो सबसे बड़े सहयोगियों टीडीपी और जदयू को असमंजस में डाला जा सके। चुनाव के बहाने कांग्रेस की नजर विपक्षी एकता कायम कर शक्ति प्रदर्शन करने की और एनडीए को असमंजस में डालने पर है।

दरअसल, भाजपा अपने दम पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है। उसे हर हाल में अपने सबसे बड़े सहयोगियों जदयू-टीडीपी का समर्थन चाहिए।

कांग्रेस के रणनीतिकार मानते हैं कि अगर विपक्ष का उम्मीदवार आंध्र प्रदेश या बिहार से हुआ तो क्षेत्रीय भावानाओं के साथ संतुलन बैठाने के लिए नीतीश वुमार और चंद्रबाबू नायडू उलझन में पड़ जाएंगे। आंध्र प्रदेश के ही वाईएसआरसीपी जिनके राज्यसभा में 7 सदस्य हैं, विपक्ष के साथ आ सकते हैं। अगर इस चुनाव में एक भी सहयोगी दल टूटता है तो राजग में पूट का संदेश जाएगा। कहा तो यह भी जा रहा है कि भाजपा में भी इस मुद्दे पर एका नहीं है। संघ से जुड़े विचारधारा वाले भाजपा सांसद संघ के कहने पर अगर उम्मीदवार उन पर भाजपा हाई कमान द्वारा थोपा गया तो वह व्रास वोटिंग भी कर सकते हैं। हालांकि मेरी राय में यह मुश्किल होगा पर राजनीति में वुछ भी दावे से नहीं कहा जा सकता? ये किसी से छिपा नहीं कि भाजपा के अंदर एक तबका ऐसा भी है जो जिस तरह से जगदीप धनखड़ को अपमानित करके हटाया गया उससे वे खुश नहीं हैं। सरकार से इस समय कांग्रेस के जिस तरह के रिश्ते हैं उसे देखकर लगता नहीं कि विपक्ष सरकार के उम्मीदवार का समर्थन करेगा। कांग्रेस के साथ सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के रिश्ते बहुत बिगड़े हुए हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ से कांग्रेस की कथित नजदीकियों को लेकर जिस तरह की कहानियां बनाई गईं उससे भी भाजपा खुश नहीं है। सूत्रों का कहना है कि विपक्ष (इंडिया गठबंधन) उपराष्ट्रपति पद के लिए किसी ओबीसी या मुस्लिम नाम पर भी विचार कर रहा है।

वर्ष 2024-25 में गुजरात की 246 से अधिक हैंडलूम को-ऑपरेटिव सोसाइटियों ने 290 करोड़ रुपए से अधिक के हैंडलूम प्रोडक्ट्स की बिक्री की

गुजरात सरकार की पैकेज योजना अंतर्गत हैंडलूम उत्पादों की बिक्री पर हैंडलूम सहकारी मंडलियों को मिलती है 5 प्रतिशत बिक्री पर मुआवजा सहायता, महिला सहकारी मंडलियों को 15 प्रतिशत बिक्री पर मुआवजा सहायता

हथकरघा के बुनकरों को संबल देने तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने परिवर्तनकारी योजनाएँ लागू की हैं

गांधीनगर, 06 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के हथकरघा बुनकरों की कारीगरी तथा उनकी समृद्ध विरासत को संबल-सहयोग देकर उनका आर्थिक उत्थान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ लागू की गई हैं। हैंडलूम सोसाइटियों के उत्थान के निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में गुजरात सरकार के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा पैकेज स्कीम क्रियान्वित है। यह पहल सहकारिता अधिनियम अंतर्गत पंजीकृत औद्योगिक सहकारी मंडलियों को संबल-सहयोग देती है। इसके अंतर्गत हैंडलूम प्रोडक्ट्स यानी हथकरघा उत्पादों की बिक्री पर मुआवजा सहायता दी जाती है। वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इस योजना अंतर्गत राज्य की 246 से अधिक हैंडलूम को-ऑपरेटिव सोसाइटियों (हथकरघा सहकारी मंडलियों) ने लाभ प्राप्त किया है। इसके फलस्वरूप 290 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के हैंडलूम प्रोडक्ट्स की बिक्री हुई है। यह दर्शाता है कि गुजरात में हैंडलूम सेक्टर का निरंतर विकास हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि हथकरघा

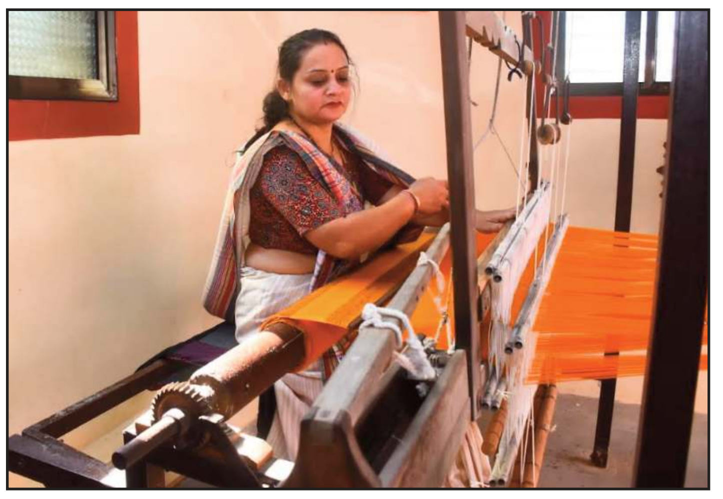

बुनकरों का सम्मान करने तथा भारत में हथकरघा उद्योग को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2015 से 7 अगस्त को ह्यनेशनल हैंडलूम डेह्न यानी ह्यराष्ट्रीय हथकरघा दिवसह्नके रूप में घोषित किया है। यह दिवस हथकरघा के सांस्कृतिक, परंपरागत एवं आर्थिक महत्व को उजागर करता है। प्रधानमंत्री ने कहा है, ह्लसरकार उसके बुनकरों को विश्व का सबसे बड़ा बाजार प्रदान करने के लिए स्पष्ट रणनीति के साथ कार्य कर रही है ह्व

पैकेज स्कीम अंतर्गत हैंडलूम सोसाइटियों को हैंडलूम उत्पादों की बिक्री पर मिलती है मुआवजा सहायता

त्योहारों के दौरान हथकरघा पर उत्पादित होने वाली वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने तथा उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए गुजरात सरकार द्वारा रिबेट (पैकेज) स्कीम लागू की गई है। हथकरघा उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक एवं सुलभता बढ़ाने के लिए इस योजना अंतर्गत गुजरात सरकार हथकरघा सहकारी मंडलियों द्वारा की जाने वाली बिक्री पर मुआवजा सहायता देती है।

हथकरघा सहकारी मंडलियों को हथकरघा के उत्पादों की बिक्री पर 5 प्रतिशत मुआवजा सहायता मिलती है, जबकि महिला सहकारी मंडलियों को बिक्री पर 15 प्रतिशत मुआवजा सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त; महिला सहकारी मंडलियों के लिए वार्षिक 120 दिन की समयावधि के लिए बिक्री पर 15 प्रतिशत व 20 प्रतिशत की विशेष मुआवजा सहायता दी जाती है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के इन प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2024-25 में 246 से अधिक हथकरघा सहकारी मंडलियों ने 290 करोड़ रुपए से अधिक के हथकरघा उत्पादों की बिक्री की है। इस बिक्री पर राज्य सरकार द्वारा इन सहकारी मंडलियों को 73.82 करोड़ रुपए की मुआवजा सहायता दी गई है, जो हथकरघा बुनकरों के उत्थान की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दशार्ता है।

हथकरघा बुनकरों को संबल-सहयोग देने के लिए गुजरात सरकार की परिवर्तनकारी योजनाएँ

गुजरात सरकार ने हथकरघा बुनकरों को संबल-सहयोग देने, गुणवत्तायुक्त उत्पादन सुनिश्चित करने, बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए परिवर्तनकारी योजनाएँ लागू की हैं। इन योजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

हथकरघा की शीर्षस्थ संस्थाओं को विज्ञापन एवं प्रचार के लिए सहायता :

इस योजना अंतर्गत राज्य की शीर्षस्थ हथकरघा संस्थाओं तथा गुजरात राज्य हथकरघा एवं हस्तकला विकास निगम को गुजरात राज्य एवं राज्य से बाहर प्रदर्शनियों में भाग लेने और विज्ञापनों एवं प्रचार-प्रसार करने के लिए सहायता दी जाती है। शीर्षस्थ संस्थाओं को राज्य में प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए 70,000 रुपए तक तथा राज्य से बाहर प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए 1,50,000 रुपए तक की सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त; उन्हें विज्ञापनों के लिए वार्षिक 1,00,000 रुपए तथा मेलों व प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए 25,000 रुपए की अतिरिक्त सहायता मिलती है। यह योजना हथकरघा उत्पादों प्रोत्साहन देती है और बुनकरों के रोजगार को गति देती है।

मिल गेट प्राइस स्कीम :-

यह योजना सुनिश्चित करती है कि बुनकर उच्च गुणवत्तायुक्त प्रोडक्ट्स का उत्पादन करें, बाजार मूल्य में वृद्धि करें तथा बुनकरों के लिए अधिक रोजगार का सृजन हो। इस योजना अंतर्गत राज्य के मान्यता प्राप्त डिपो के माध्यम से खरीदे गए गुणवत्तायुक्तयार्न (सूत) पर 15 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण

राज्य सरकार के गुजरात राज्य हथकरघा एवं हस्तकला विकास निगम द्वारा बुनकरों के कौशल विकास के लिए बुनकरों को अल्पकालिक व दीर्घकालिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें प्रति प्रशिक्षु 4500 रुपए मासिक स्टाइपेंड भी दिया जाता है। मूल्यवर्धित उत्पाद, डिजाइन तथा प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए निगम द्वारा वीवर्स सर्विस सेंटर, एनआईडी तथा एनआईएफटी (निफ्ट) के साथ सहयोग किया जाता है, जिससे हथकरघा उत्पाद मिलों एवं पावरलूम्स के उत्पादों के समक्ष बाजार की प्रतिस्पर्धा में टिके रहें।

इसके अतिरिक्त; हथकरघा उत्पादों की दृश्यता बढ़ाने के लिए व्यापक विपणन (मार्केटिंग) प्रयास भी किए जाते हैं। इनमें होर्डिंग्स, कियोस्क, वॉल पेंटिंग्स, रोड शो, फैशन शो आदि द्वारा प्रचार-प्रसार शामिल हैं। हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग गुजरात के भीतर व बाहर ह्यगरवी-गुर्जरीह्न ब्रैंड द्वारा ई-कॉमर्स तथा एम्पोरिया चेन द्वारा किया जाता है। इतना ही नहीं; इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन कॉटेज (इंडेक्स्ट-सी) द्वारा आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों तथा एक्सपो के माध्यम से हथकरघा उत्पादों की पहुँच को अधिक विस्तृत किया जाता है।

'वाक्य प्रतियोगिता': अगस्त क्रांति दिवस के उपलक्ष्य में इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2025 —

अगस्त क्रांति दिवस, जो सन 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत का दिन है, के उपलक्ष्य में, हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति एवं अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान (अक्शए) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के सहयोग से 6 अगस्त, 2025 को 'वाक्य प्रतियोगिता' नामक एक विचारोत्तेजक अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रायोजित था।

प्रतियोगिता के विषय, '1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में युवाओं की भूमिका' ने छात्रों को भारत के स्वतंत्रता

संग्राम में युवा स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर गहन विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में माननीया लोकसभा सांसद और राष्ट्रमंडल महिला सांसद समिति की अध्यक्षा श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी मुख्य अतिथि रहीं। उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री और पूर्व संसद सदस्या प्रो. रीता बहुगुणा जोशी विशिष्ट अतिथि रहीं, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने समारोह की अध्यक्षता की। हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति, उत्तर प्रदेश के सचिव देव वर्मा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई। कार्यक्रम में सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता हेमवती नंदन बहुगुणा के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर एक लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री राजेश मेहता, पूर्व अध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और श्री राजेश गोयल, अध्यक्ष, अखिल भारतीय शिक्षा सोसायटी (अक्शए) भी शामिल रहे। यह प्रतियोगिता अक्शए द्वारा आयोजित भाषिक विषयक कार्यक्रमों की राष्ट्रीय श्रृंखला का तीसरा संस्करण था, जिसके पिछले सत्र संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में आयोजित किए गए थे।

अपने मुख्य भाषण में, श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी ने भारत छोड़ो आंदोलन की स्थायी प्रासंगिकता पर विचार प्रकट किए और स्वतंत्रता तथा आत्मनिर्भरता के मूल्यों पर जोर दिया जो आज भी भारत के युवाओं में गूंजते हैं। उन्होंने कहा, "यह स्थायी विरासत न केवल स्वतंत्रता सेनानियों को बल्कि उन हजारों गुमनाम नायकों को भी सम्मानित करती है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी कहानियाँ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी।"

विशिष्ट अतिथि प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं और युवाओं की भूमिका पर एक प्रभावशाली भाषण दिया। अपने पिता, हेमवती नंदन बहुगुणा के दूरदर्शी नेतृत्व को याद करते हुए, उन्होंने क्रांति की परिवर्तनकारी प्रकृति और पूर्ण स्वराज की खोज के बारे में बात की। उन्होंने कहा, "जब समृद्धि और खुशहाली होगी, तो स्वराज भारत के हर घर तक पहुँचेगा और पूरे देश को सशक्त बनाएगा।" इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देने वाली शिक्षा के प्रति महाविद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने अतीत को आज के युवाओं की आकांक्षाओं से जोड़ते हुए भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया।

इस प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के 17 से अधिक महाविद्यालयों से कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्र वक्ताओं ने स्पष्ट और भावपूर्ण भाषणों की प्रस्तुति दी, जिनमें ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि, समकालीन प्रासंगिकता और वाक्पटुता की उत्कृष्टता झलकती थी। एक छात्रा ने स्वतंत्रता को "1942 के युवाओं के खून, पसीने और आँसुओं से हस्ताक्षरित एक खाली चेक" के रूप में वर्णित किया। अन्य ने विकसित भारत के मार्ग के बारे में बात की और इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्रता एक अधिकार है, न कि एक अनुरोध।

यह कार्यक्रम देशभक्ति के जोश, युवा दृढ़ संकल्प और भारत की लंबी और निरंतर लोकतांत्रिक यात्रा की जीवित स्मृति के साथ संपन्न हुआ।

राजनीति से अदालत तक: भाजपा की पूर्व प्रवक्ता आरती साठे बनीं जज, पहले कौन- कौन से राजनीतिज्ञ बन चुके हैं जज?

(जीएनएस)।

बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश पद पर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता आरती सेठी की नियुक्ति को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गई है। विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा अधिवक्ता आरती अरुण साठे को बॉम्बे हाई कोर्ट का जज नियुक्त करने की सिफारिश पर आपत्ति जताई है। कॉलेजियम ने 28 जुलाई को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका, जो कभी लोकतंत्र की प्रहरी थी, अब राजनीतिक संरक्षण का रंगमंच बनती जा रही है।

कांग्रेस ने जहां इस नियुक्ति को "न्यायिक अखंडता के लिए मौत" करार दिया हैं और टीएमसी ने कहा जब जज का पद कानूनी कौशल के बजाय पार्टी के प्रति निष्ठा का पुरस्कार बन जाए, तो न्यायिक अखंडता का क्या होगा? वहीं एनसीपी (एसपी) ने इस नियुक्ति को लोकतंत्र पर बड़ा हमला बताया और कहा जब सार्वजनिक मंच पर सत्ताधारी दल का पक्ष रखने वाली व्यक्ति को जज बनाना न्याय की पूरी प्रक्रिया पर संदेह पैदा करता है और संविधान द्वारा दी गई शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को कमजोर करता है।

हालांकि ये पहली बार नहीं हैं कि जब राजनीतिक बैकग्राउंड वाले शख्स को न्यायिक पद पर नियुक्त किया गया है। पूर्व के कई ऐसे उदाहरण मिलते हैं, अब तक कई राजनेता, मंत्री समेत राजनीतिक दलों के पदाधिकारी न्यायाधीश नियुक्त किए जा चुके हैं। जानिए आरती साठे से पहले कौन-कौन से राजनीतिक नियुक्त किए जा चुके हैं न्यायाधीश?

जस्टिस विक्टोरिया गौरी

फरवरी 2023 में एडवोकेट विक्टोरिया गौरी को मद्रास हाई कोर्ट का एडिशनल जज नियुक्त किया गया। गौरी की नियुक्ति के बाद भी ऐसे ही भाजपा से उनके ताल्लुक होने पर सवाल उठे थे। गौरी ने तब मदुरै में असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल के रूप में काम किया था। हालांकि आरोपों से घिरने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया था कि सितंबर 2020 में पदभार ग्रहण करने से लगभग तीन महीने पहले, उन्होंने बीजेपी के सभी पदों और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

जस्टिस के.एस. हेगड़े

1935 में जस्टिस के.एस. हेगड़े भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। 1952 में दो साल के कार्यकाल के लिए और 1954 में छह साल के कार्यकाल के लिए राज्यसभा के लिए चुने गए। 1966 में दिल्ली हाई कोर्ट की स्थापना के समय जस्टिस पहले चीफ जस्टिस नियुक्त किए गए थे। अगस्त 1957 में, उन्होंने मैसूर हाई कोर्ट के जज बनने के लिए राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया। 1966 में दिल्ली हाई कोर्ट की स्थापना के समय वे इसके पहले चीफ जस्टिस बने। 1967 में हेगड़े को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया अप्रैल 1973 में उनके अतिक्रमण के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

जज वी.आर. कृष्ण अय्यर

सुप्रीम कोर्ट के जज वी.आर. कृष्ण अय्यर मद्रास और बाद में केरल विधानसभा के लिए तीन बार चुने गए और 1965 तक सक्रिय राजनीतिज्ञ रहे। 1956 में, अय्यर कम्युनिस्ट पार्टी के समर्थन से एक निर्दलीय विधायक के रूप में मद्रास विधानसभा के लिए चुने गए। राज्यों के पुनर्गठन के बाद, वे केरल विधानसभा के लिए चुने गए होम मिनिस्ट्री समेत अन्य विभागों का मंत्री नियुक्त किया गया। 1968 में उन्हें केरल हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया गया। 1971 से 1973 तक वे विधि आयोग के सदस्य रहे और 1973 में भारत के सुप्रीम कोर्ट के जज बने। 1999 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

जस्टिस बहारुल इस्लाम

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रह चुके हैं उन्होंने 1972 में, राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया और उसी साल तत्कालीन असम और नागालैंड हाई कोर्ट के जज नियुक्त किए गए।राज्यसभा सांसद रह चुके हैं। जस्टिस बहारुल इस्लाम ने 1951 में असम हाई कोर्ट में एक वकील के रूप में शुरूआत की। आठ साल बाद, वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। कांग्रेस ने उन्हें 1962 में पहली बार और 1968 में दूसरी बार राज्यसभा भेजा, 7 जुलाई, 1979 को वे गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बने और 1 मार्च, 1980 को रिटायर हुए। कुछ महीनों बाद, उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया। 4 दिसंबर 1980 को पदभार संभाला और 1 मार्च 1983 को रिटायर होने वाले थे। जनवरी 1983 में, अपने कार्यकाल के समाप्त होने से दो महीने पहले, इस्लाम ने असम के बारपेटा से कांग्रेस (आई) के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट के जज के पद से इस्तीफा दे दिया।

जस्टिस आफताब आलम

जस्टिस आफताब आलम पटना हाई कोर्ट में अपनी पहली नियुक्ति से कुछ साल पहले तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य थे। 27 जुलाई, 1990: पटना हाईकोटर्ट जज, 6 जून 2007 : जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट में स्थानांतरण कर कार्यवाहक चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया। सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत, 12 नवंबर 2007 को पद ग्रहण किया।

जस्टिस एस. रत्नावेल पांडियन

जस्टिस एस. रत्नावेल पांडियन ने कुछ समय तक डीएमके में काम किया।

1962 में अंबासमुद्रम से विधानसभा चुनाव लड़ा और हार गए।

नौ साल बाद, वे चेरनमहादेवी चुनाव लड़े और हार गए और राजनीति को अलविदा कह दिया ।

उस समय रत्नावेल पांडियन अविभाजित तिरुनेलवेली जिले के डीएमके सचिव थे।

अगस्त 1971 में उन्हें मद्रास हाई कोर्ट में राज्य लोक अभियोजक नियुक्त

फरवरी 1974 में उसी हाई कोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत होने तक वे इस पद पर रहे।

रत्नावेल पांडियन कुछ समय के लिए कार्यवाहक एडवोकेट जनरल भी रहे।

1974 में उन्हें मद्रास हाई कोर्ट का जज नियुक्त हुए।

1988 से 1994 तक वे सुप्रीम कोर्ट में जज रहे।

एफ.आई. रेबेलो

1996 में बॉम्बे हाई कोर्ट के जज नियुक्त होने से पहले एफ.आई. रेबेलोगोवा में जनता पार्टी के विधायक थे।

2010-11 में वे इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बने।

जस्टिस पी.बी. सावंत

जस्टिस पी.बी. सावंत वकील के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान महाराष्ट्र में किसान एवं श्रमिक पार्टी के सदस्य थे।

1973 में,बॉम्बे हाई कोर्ट का जज नियुक्त हुए थे।

1989 से 1995 तक, भारत के सुप्रीम कोर्ट के जज का पद संभाला।

एचडीएफसी बैंक ने नागरिकों को एपीके धोखाधड़ी से सावधान रहने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया

मुंबई, : भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सुरक्षा के लिए ऐसी धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। एपीके घोटाले में धोखेबाज आमतौर पर बैंक कर्मचारियों या सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करके सोशल इंजीनियरिंग रणनीति का इस्तेमाल करते हैं। इसमें संदेश प्राप्तकर्ता को एक फजी एपीके फाइल प्राप्त होती है जो विश्वसनीय स्रोतों से होने का दावा करती है। जब कोई व्यक्ति इन फाइलों को इंस्टॉल करता है तो धोखेबाज उनके फोन पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लेता है। फिर धोखेबाज कॉल और टेक्स्ट संदेशों को किसी अन्य डिवाइस पर रीडायरेक्ट कर सकता है और पीड़ितों के फोन से डेटा चुरा सकता है। धोखेबाज पीड़ित के बैंक खाते(खातों) तक भी पहुँच सकते हैं और उनकी सहमति के बिना लेनदेन कर सकते हैं। यह घोटाला कैसे काम करता है: धोखेबाज फोन कॉल, ईमेल या संदेशों के जरिए ग्राहकों से संपर्क करते हैं और दावा करते हैं कि वे बैंक से हैं और उनका केवाईसी तुरंत अपडेट करना जरूरी है। वे ग्राहकों में जल्दबाजी की भावना और खाते के ब्लॉक होने का डर पैदा करते हैं। इसके बाद धोखेबाज बैंक के लोगो वाले फजी एपीके लिंक शेयर करते हैं और ग्राहकों से इसे इंस्टॉल करने के लिए कहते हैं। इंस्टॉल होने के बाद, ऐप उन्हें व्यक्ति का खाता नंबर, क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी या ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारी दर्ज करने के लिए कहता है, जिन्हें तुरंत चुरा लिया जाता है और धोखाधड़ी वाले लेनदेन के लिए उनका दुरुपयोग किया जाता है। ख. धोखेबाज परिवहन प्राधिकरण (आरटीओ) का रूप धारण करके लंबित ई-चालान से संबंधित फजी संदेश और ईमेल भी भेज सकते हैं। इन संदेशों में दुर्भावनापूर्ण एपीके लिंक होते हैं और क्लिक करने पर पीड़ित के फोन से छेड़छाड़ की जा सकती है। एपीके धोखाधड़ी से खुद को बचाने के सुझाव - ड्ट सोशल मीडिया, एसएमएस या ईमेल के जरिए प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें या ऐसे ऐप्स/फाइलें इंस्टॉल न करें जो आरटीओ, आयकर विभाग या बैंक अधिकारियों जैसी संस्थाओं से होने का दावा करते हों। ड्ट सुनिश्चित करें कि आपके डिवाइस में विश्वसनीय एंटीवायरस या एंटी-मैलवेयर सॉफ़्टवेयर हो जो हानिकारक फाइलों का पता लगा सके और उन्हें ब्लॉक कर सके। ड्ट किसी अनजान व्यक्ति के कॉल रिक्वेस्ट पर थर्ड-पार्टी ऐप्स डाउनलोड न करें। केवल विश्वसनीय स्रोतों या आधिकारिक वेबसाइटों से ही ऐप्स डाउनलोड करें। ड्ट संबंधित आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से संदेश/ईमेल की वैधता की पुष्टि करें। ड्ट धोखाधड़ी/संदिग्ध कॉल, संदेशों की रिपोर्ट चक्षु पोर्टल पर या संचार साथी मोबाइल ऐप के माध्यम से करें। एचडीएफसी बैंक ग्राहकों से 'डिजिटल गिरफ्तारी' धोखाधड़ी जैसे घोटालों से भी सतर्क रहने का आग्रह करता है, जहाँ धोखेबाज कानून प्रवर्तन या सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करते हैं और पीड़ितों को कथित कर चोरी, नियामक उल्लंघनों, वित्तीय कदाचार आदि जैसे कारणों से डिजिटल गिरफ्तारी वारंट की धमकी देते हैं। आमतौर पर देखी जाने वाली अन्य धोखाधड़ी में निवेश घोटाले शामिल हैं, जहाँ धोखेबाज नकली स्वचालित निवेश प्लेटफार्मों के माध्यम से और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचारित शेयरों, आईपीओ, क्रिप्टोकरेंसी आदि में निवेश पर असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करते हैं। धोखेबाज जीटीएच - लालच, धमकी और मदद पद्धति का उपयोग करके धोखाधड़ी को जारी रखने के लिए पीड़ितों की भावनाओं को निशाना बनाते हैं। ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होने की स्थिति में पीड़ित को तुरंत बैंक को अनधिकृत लेनदेन की सूचना देनी चाहिए।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

सेंट्रल रेलवे की कुछ ट्रेनें रहेंगी रद्द, कुछ रूट पर रहेगा डायवर्जन

(जीएनएस)।

मुंबई लोकल ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। सेंट्रल रेलवे ने वाशी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य सिग्नल नियंत्रण को बेहतर बनाना है। जिसके चलते 7अगस्त से 8 अगस्त तक कई लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी। कुछ ट्रेनें रद्द की जाएंगी, जबकि अन्य के समय में बदलाव होगा या वे निर्धारित स्टेशनों से पहले समाप्त हो जाएंगी।

वाशी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के कारण आज से रात्रि मेगाब्लॉक लागू किया जाएगा। मुंबई में हार्बर रेलवे लाइन पर यात्रा करने वाले यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

इस मेगाब्लॉक के दौरान, प्रतिदिन रात 10:45 बजे से सुबह 3:45 बजे तक अप और डाउन दोनों लाइनों पर विशेष सेवाएं बाधित रहेंगी। इस दौरान अप और डाउन दोनों लाइनों पर काम किया जाएगा। कार्य के कारण कई लोकल ट्रेनों के रूट और समय में बदलाव किया गया है।इसका मुख्य प्रभाव वाशी और पनवेल के बीच लोकल ट्रेन सेवाओं पर पड़ेगा, जो इस अवधि में पूरी तरह से बंद रहेंगी।

कुछ ट्रेनें निर्धारित स्टेशनों तक ही चलेंगी, जबकि कई सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। जैसे , बेलापुर से रात 8:54 बजे सीएसएमटी जाने वाली लोकल ट्रेन वाशी तक ही जाएगी, और रात 9:16 बजे की बेलापुर-सीएसएमटी लोकल वडाला रोड तक ही चलेगी।

इसी तरह, बांद्रा से सीएसएमटी के लिए रात 10:00 बजे चलने वाली लोकल को वडाला रोड पर रोक दिया जाएगा। पनवेल से रात 10:55 बजे और 11:32 बजे वाशी के लिए छूटने वाली लोकल ट्रेनें नेरुल तक ही संचालित होंगी।

ब्लॉक के कारण, वाशी से सुबह 4:03, 4:15, 4:25, 4:37, 4:50 और 5:04 बजे छूटने वाली अप लोकल सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। सीएसएमटी से रात 9:50, 10:14 और 10:30 बजे छूटने वाली डाउन लोकल सेवाएं भी रद्द रहेंगी।

यात्रियों से असुविधा से बचने के लिए यात्रा योजना बनाने से पहले संशोधित समय-सारिणी की जांच करने का अनुरोध किया गया है। यह ब्लॉक वाशी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) सिस्टम के कमीशनिंग के लिए आवश्यक है।

आज सूरज नहीं देखेगा शंकरलाल'–धमकी देकर निकला आरएसी जवान, लेबर इंस्पेक्टर की दिनदहाड़े हत्या

(जीएनएस)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में सनसनीखेज वारदात में लेबर इंस्पेक्टर शंकरलाल बलाई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर कोई और नहीं, बल्कि दिल्ली में तैनात राजस्थान सशस्त्र पुलिस (RAC) का सिपाही अजय कटारिया था। इस घटना ने राज्यभर में खलबली मचा दी है। आरोपी ने खुद ही पुलिस थाने में जाकर सरेंडर कर दिया। बुधवार को आरोपी से पुलिस पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। परिजनों ने बगरू अस्पताल में धरना देकर प्रदर्शन किया।

हैरान करने वाली बात ये है कि इस वारदात से कुछ घंटे पहले ही आरोपी अजय ने जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में सिपाही पद पर कार्यरत अपनी पूर्व मंगेतर को फोन कर धमकी दी थी। बोला–"मैं दिल्ली से 50 कारतूस लेकर निकला हूं, शंकरलाल आज सूरज नहीं देखेगा।" मगर युवती ने सोचा कि यह अजय की एक और गुस्से में कही गई बात है, और उसने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

कैसे अंजाम दी गई वारदात?

जयपुर पुलिस के मुताबिक, फ्यउ जवान अजय कटारिया सोमवार को दिल्ली स्थित अपनी बटालियन से ड्यूटी खत्म होते ही सरकारी SLR (Self Loading Rifle) और 50 राउंड कारतूस लेकर एक बैग में छुपा जयपुर रवाना हुआ। मंगलवार तड़के सिंधी कैंप बस स्टैंड पहुंचा, ऑफलाइन टैक्सी बुक की और बगरू में शंकरलाल के घर की ओर बढ़ गया।

सुबह करीब 6:30 बजे जब शंकरलाल अपने घर के बाहर नीम की दातून से दांत साफ कर रहे थे, तब आरोपी पहले से वहां मौजूद था। दोनों में बहस हुई और अचानक अजय ने राइफल निकाल ली। शंकरलाल जान बचाने के लिए खाली प्लॉट की ओर भागे, लेकिन अजय ने दौड़ते हुए उनकी पीठ, गर्दन और जांघ में गोलियां दाग दीं। घटना के बाद आसपास के लोग और मृतक की पत्नी सरोज मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक शंकरलाल की मौत हो चुकी थी।

सगाई टूटने की रंजिश में मर्डर

जयपुर पुलिस जांच में सामने आया है कि अजय की सगाई उसी महिला सिपाही से हुई थी, जिसे उसने वारदात से पहले फोन किया था। सगाई करीब सात महीने पहले हुई थी, लेकिन बाद में अजय को शक हुआ कि युवती के किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध हैं। इसी शक के चलते अजय ने रिश्ता तोड़ दिया।

अजय को ये भी शक था कि शंकरलाल को इस संबंध की जानकारी थी और उसने युवती का साथ दिया, जिससे गुस्से में आकर उसने जान लेने की ठानी। आरोपी ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि शादी को लेकर मानसिक दबाव में था और इसी वजह से उसने यह कदम उठाया।

'पिता–बेटी जैसे संबंध' का भ्रम बना हत्याकांड की वजह?

इस केस में नया मोड़ तब आया जब सामने आया कि शंकरलाल और युवती का संबंध 'पिता–बेटी' जैसा था। दरअसल, शंकरलाल अपने दूर के रिश्तेदार पूरण मल के बच्चों की परवरिश कर रहे थे, जिनमें एक लड़की की सगाई अजय से हुई थी। बताया जा रहा है कि अजय द्वारा सगाई तोड़ने के बाद पूरण मल भी नाराज था और उसने अजय को शंकरलाल के खिलाफ भड़काया। वारदात से एक दिन पहले अजय ने शंकरलाल की बेटी को भी फोन कर धमकी दी थी कि वह अगली सुबह "कुछ बड़ा करने वाला है।"

सवालों के घेरे में पुलिस तंत्र

इस वारदात ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ड्यूटी के बाद सरकारी हथियार कैसे साथ ले जा सका सिपाही? धमकी मिलने के बावजूद महिला सिपाही ने इसकी सूचना क्यों नहीं दी? 50 कारतूस और सर्विस राइफल लेकर दिल्ली से जयपुर पहुंच रहे सिपाही को रास्ते में किसी ने क्यों नहीं रोका?

पुलिस जांच जारी, आरोपी ने किया सरेंडर

वारदात को अंजाम देने के बाद अजय फरार हो गया लेकिन कुछ ही घंटों में उसने फुलेरा थाने में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर हत्या, अवैध हथियार प्रयोग और साजिश के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद वाटिका इन्फोटेक सिटी इलाके में दहशत का माहौल है और सोसायटी में रहने वाले लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आए।

मेहंदी घाट पर सीलिंग का प्रस्ताव पास, पर कार्रवाई नदारद–क्या चल रहा है डीलिंग का खेल?

अवैध इमारत पर अमृत सीलिंग, कागजों में कठोर और जमीन पर मौन क्यों?

(जीएनएस)।

लखनऊ। शहर के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों एक अजीबोगरीब नाटक चल रहा है, जिसका मंचन बंधा रोड, मेहंदी घाट पर हो रहा है। यहां एक बहुमंजिला अवैध इमारत को सील करने का प्रस्ताव लखनऊ विकास प्राधिकरण के विहित न्यायालय द्वारा पास कर दिया गया है, लेकिन हफ्तों बीत जाने के बाद भी उस पर एक ईंट तक नहीं हिली है। यह स्थिति न केवल एलडीए की कार्यप्रणाली पर एक तमाचा है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि 'सीलिंग' के पीछे डीलिंग का खेल खेला जा रहा है।

यह कैसी विडंबना है कि जिन अधिकारियों के पास छोटे–मोटे अवैध निमार्णों को ढहाने के लिए बुलडोजर की पूरी फौज तैयार रहती है, उन्हीं के हाथ इस प्रभावशाली बिल्डर के सामने कांप रहे हैं। क्या यह केवल प्रशासनिक अक्षमता है, या फिर कुछ और? जिस तरह से कार्रवाई को लगातार टाला जा रहा है,

उससे साफ संकेत मिलते हैं कि कागजों पर कठोरता का ढोंग रचा जा रहा है, जबकि पर्दे के पीछे समझौते और सौदेबाजी चल रही है।

वह देख रही है कि कैसे एक तरफ तो नियमों का हवाला देकर गरीबों के घर उजाड़े जा रहे हैं, और दूसरी तरफ रसूखदार लोगों की अवैध इमारतों को 'पूरी सुरक्षा' दी जा रही है।

यह महज एक घटना नहीं, बल्कि प्रशासन की नीयत पर एक काला दाग है। जब तक इस इमारत को सील नहीं किया जाता, तब तक यह आरोप और भी पुख्ता होता जाएगा कि लखनऊ में कानून की नहीं, पैसे और सत्ता की हुकूमत चलती है।

जोन–7 के महान अधिकारी, मुख्यमंत्री का आदेश भी अनजान,

विकास में लगे जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह, सहायक अभियंता अनूप और अवर अभियंता विवेक कुमार पटेल को नमन। मुख्यमंत्री के आदेश भी इनके फोन तक पहुँचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। इनकी ईमानदारी का आलम यह है कि फोन उठाने से डरते हैं, कहीं सच न निकल जाए। ऑफिस में ये ऐसे गायब रहते हैं, जैसे ह्यराहु और केतुह्न हों। अवैध निर्माण की तो बात ही क्या कहें, ये तो मानो 'वास्तुशास्त्री' बन चुके हैं, जो अवैध को भी वैध बना देते हैं। साहेब का संरक्षण तो मानो सोने पर सुहागा है, जिसने इन विकास के अधिकारियों को इतना मजबूत बना दिया है कि ये सरकार को भी आँखें दिखाते हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान लखनऊ इकाई की नई कार्यकारिणी की बैठक आर0 के0 चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी

उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान जनपदीय ईकाई लखनऊ की मीटिंग आर0 के0 चतुर्वेदी, पुलिस महानिरीक्षक,से0नि0 की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। मीटिंग में कार्यकारणी समिति के अलावा 10 अन्य पेंशनर्स ने प्रतिभाग किया। व अपनी–अपनी व्यक्तिगत समस्याओं से अवगत कराया।

अतः उनके प्रार्थना पत्र लेकर सम्बंधित को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजे जाने के लिये आश्वस्त किया गया।

वर्तमान में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की अधिकांश पत्रावलियां पुलिस आयुक्त, लखनऊ कार्यालय में लंबित हैं, अतः उनके यथा शीघ्र निस्तारण के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय से आये हुए लिपिक को निर्देशित किया गया और यह भी निर्देश दिए गए कि जो भी चिकित्सा प्रतिपूर्ति सम्बंधित पत्रावलियां निस्तारित हो जायें उनके आदेश की एक प्रति इस कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाये। पत्रावलियों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिस आयुक्त लखनऊ एवं पुलिस उपायुक्त मुख्यालय लखनऊ से दूरभाष पर वार्ता कर एक अभियान चलाकर निस्तारण कराने हेतु अनुरोध भी किया गया है ।

ईमानदार और शिक्षित समाजसेवियों को मंच देने की पहल – लखनऊ में हुई विशेष बैठक

लखनऊ, 6 अगस्तः

PECT कार्यालय, 114 इंसाफ नगर, पानीगांव, इंदिरा नगर लखनऊ में आज पुराने ढरढछ साथियों की एक अहम बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक का आयोजन जनाब मोहम्मद जर्रार हुसैन के आह्वान पर किया गया, जिसकी अध्यक्षता जनाब मुर्तजा अली ने की।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में ईमानदार, शिक्षित, और दीनी सोच रखने वाले लोगों को एक सशक्त मंच प्रदान किया जाएगा। संस्था का उद्देश्य ऐसे लोगों को आगे लाना है, जो सच्चे मन से समाज की सेवा करना चाहते हैं।बैठक में शामिल प्रमुख व्यक्तित्वों में जनाब आमिर खालिद खान, रवि कुमार अजय, यासिर हयात, मोहम्मद सईक सिद्दीकी, सैय्यद साबिर, मोहम्मद ताज, शोएब चौधरी, मुमताज राईनी, रब्बानी, पीसी कुरील, और सुभाष गौतम आदि शामिल रहे।

इस अवसर पर एक चार सदस्यीय चयन समिति का गठन भी किया गया है, जो उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 30 सक्रिय एवं योग्य प्रतिनिधियों का चयन करेगी।

चयन समिति के सदस्य श्री आमिर खालिद खान ,श्री मोहम्मद जर्रार, श्री यासिर हयात , श्री रवि कुमार संस्था में जुड़ने के इच्छुक लोग निम्नलिखित संपर्क नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:

📞 9984907988, 9452560342, 8795837676, 991820032

यह पहल उन लोगों के लिए एक आशा की किरण है, जो बिना दिखावे के समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक भूमिका निभाना चाहते हैं।

बिजनौर में बाढ़ का संकट, डीएम ने खुद संभाली कमान

(जीएनएस)।

बिजनौर।

जिले में मालन नदी के जलस्तर में वृद्धि और यूसुफपुर बखर तटबंध के ओवरटॉप होने के कारण कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर प्रशासन ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि तटबंध से पानी गुजरने के कारण ग्राम धारूवाला, खजानपुर खादर, काजी वाला, नसरूल्लापुर हफीज, मधुसूदनपुर मसीद, बाकरपुर गढ़ी और रावली जैसे कई गांव जलभराव की चपेट में आ गए हैं। इन गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे ग्रामीणों में चिंता का माहौल है।

प्रशासन ने तुरंत एक्शन लेते हुए यूसुफपुर बखर तटबंध पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड अफजलगढ़ की निगरानी में युद्ध स्तर पर मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया है। जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि शीघ्र ही इन गांवों से जलभराव की समस्या समाप्त कर ली जाएगी।

बचाव कार्यों को गति देने के लिए जिले की सभी तहसीलों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विशेष टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। जहां–जहां पानी पहुंचा है, वहां राहत सामग्री, नाव और मेडिकल टीमों को तैनात किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग को भी पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी प्रकार की महामारी की आशंका से निपटा जा सके।

जिलाधिकारी ने बिजनौर शहरी क्षेत्र का दौरा कर सफाई व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिशासी अधिकारी को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

जन्नत जुबैर, ऐक्टर इनामुलहक, रीवा अरोड़ा सहित कई हस्तियों की उपस्थिति में जेवेदा (ZEVEDA) ऑर्गेनिक्स स्किनकेयर प्रोडक्ट लॉन्च

मुम्बई.. मुम्बई में एक भव्य समारोह में कई हस्तियों की उपस्थिति में जेवेदा `एशएऊ्अ ऑर्गेनिक्स स्किनकेयर प्रोडक्ट लॉन्च किया गया. इस मौके पर जन्नत जुबैर, ऐक्टर इनामुलहक, रीवा अरोड़ा, गायक अल्तमश फरीदी, शादाब फरीदी, दिलीप सेन, निर्देशक अभिषेक दुधैया, संगीतकार राशिद खान, मॉडल स्मिता गोंडकर ऐक्टर क्ल्ला'ॅ्ील्लीू१ भरत मदान, हीरा मंडी लेखक मोइन बेग, अभिनेत्री भूमिका कलीता, क्ल्ला'ॅ्ील्लीू१ रजी शेख सहित कई हस्तियां मौजूद थीं. सहारनपुर उत्तरप्रदेश से आए गेस्ट ऑफ ऑनर थे हजरत सूफी चांद मियां साहब. जेवेदा के एमडी उमर खान हैं जबकि कंपनी के डायरेक्टर हैं गौरव खेतरपाल, अजय कुमार गांधी. पद्मश्री उस्ताद गुलफाम अहमद साहब ने यहां लाइव परफॉर्म किया. सभी मेहमानों का स्वागत और सम्मान किया गया.

महमूद अली, डॉन सिनेमा के संस्थापक ने इस कार्यक्रम को होस्ट किया. त्वचा की देखभाल करने के मामले में जेवेदा के प्रोडक्ट एक नई उम्मीद, एक नई चमक लेकर आए हैं. यह एक खूबसूरत शाम बन गई. इस स्किनकेयर प्रोडक्ट के लॉन्च पर हजरत सूफी चांद मियां साहब ने ढेरों दुआएं दीं. जेवेदा के एमडी उमर खान ने कहा कि आज जेवेदा सौंदर्य और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नए सफर की शुरूआत कर रहा है। हमें खुशी है कि आप सभी इसका हिस्सा बन रहे हैं. मुम्बई जैसे व्यस्त शहर मे सभी मेहमानों और मीडिया वालों ने हमारे कार्यक्रम के लिए समय निकाला सभी का शुक्रिया. जेवेदा के ऑफिशियल प्रमोशन वीडियो में खूबसूरत, युवाओं की आइकॉन और सोशल मीडिया सनसनी जन्नत जुबैर रहमानी हैं. कंपनी के डायरेक्टर गौरव खेतरपाल ने कहा कि जेवेदा स्किनकेयर लॉन्च इवेंट को यादगार बनाने के लिए हमारे सभी खास मेहमानों, हमारे मीडिया वालों का धन्यवाद। `एशएऊ्अ आपकी त्वचा की प्राकृतिक और खूबसूरती से देखभाल करने के लिए मौजूद है।

झाड़ियों में मिला अज्ञात बच्चे का शव, इलाके में सनसनी

(जीएनएस)।

बिजनौर।

थाना नजीबाबाद क्षेत्र की कछियाना बस्ती उस समय दहशत और सन्नाटे में डूब गई, जब वहां झाड़ियों के बीच एक अज्ञात बच्चे का क्षत–विक्षत शव पड़ा मिला। शव की हालत देखकर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिस पर उपनिरीक्षक अनीस खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन बच्चे की शिनाख्त नहीं हो सकी। शव की हालत बेहद खराब थी, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यह एक सप्ताह पुराना हो सकता है।

पुलिस का मानना है कि शव संभवतः मालन नदी में बहकर आया और पानी उतरने के बाद झाड़ियों में फंस गया। मृतक की उम्र करीब 10 से 12 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और शिनाख्त की कोशिशें जारी हैं। पुलिस ने सभी थानों को सूचना भेज दी है और आसपास के गांवों में लापता बच्चों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस आयुक्त के साथ व्यापारियों की बैठक, अवैध ई रिक्शा पर लगे अंकुश ट्रैफिक व्यवस्था हो बेहतर संदीप बंसल

(जीएनएस)।

लखनऊ– अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के लखनऊ के कोर कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी की बैठक लखनऊ कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर के साथ संपन्न हुई ।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार संदीप बंसल ने पुलिस आयुक्त से लखनऊ के सभी थानों में व्यापारियों को समुचित सम्मान दिए जाने व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की प्रत्येक माह बैठक सुनिश्चित किए जाने प्रमुख बाजारों एवं सराफा के बाजारों में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाए जाने लखनऊ में चल रहे अवैध ई–रिक्शा को बाहर किए जाने और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त किए जाने की मांग की

बंसल ने स्वच्छ स्वस्थ पर्यावरण युक्त लखनऊ बनाने के लिए एक बार हटे हुए अतिक्रमण को दोबारा ना लगाया जाए उसके लिए संबंधित थाने के अधिकारियों को जिम्मेदारी दिए जाने और ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक किए जाने के लिए लखनऊ के समस्त व्यापारियों के साथ एक बैठक किए जाने का सुझाव दिया ।

पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर ने संगठन द्वारा दिए गए ज्ञापन को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए सभी विषयों पर अपनी सहमति जताई और ई–रिक्शा सहित अतिक्रमण के बिंदुओं पर ठोस कार्यवाही करने का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए संगठन के साथ अति शीघ्र एक बैठक आयोजित की जाएगी।

पुलिस आयुक्त के साथ आयोजित बैठक में उपस्थित रहने वाले प्रमुख पदाधिकारी मे संगठन के राष्ट्रीय मंत्री एवं सराफा एसोसिएशन के मंत्री प्रदीप अग्रवाल, लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा के प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम, वरिष्ठ महामंत्री राजीव कक्कड़, युवा महानगर अध्यक्ष अश्वन वर्मा, अनुज गौतम, दीपेश गुप्ता, डॉ रितेश श्रीवास्तव, संजयनिधि अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्तिथ रहें।

सुरेश छाबलानी अध्यक्ष

पश्चिम रेलवे - राजकोट मंडल

निविदा सूचना संख्या: DRM/RJT/E-Tender/EL/TRD/ 2025-2026/23 दिनांक 05.08.2025

ओएचई संशोधन कार्य और ओएचई स्लीविंग कार्य

निविदा संख्या: DRM-RJT-EL-TRD-2025-26-23

कार्य का नाम: राजकोट मंडल के राजकोट-ओखा खंड के हापा स्टेशन/यार्ड, राजकोट-भक्ति नगर खंड पर ओएचई संशोधन कार्य और विभिन्न स्थानों पर ओएचई स्लीविंग कार्य।

अनुमानित लागत: ₹79,42,997.53/- | **बयाना राशि:** ₹1,58,900/-

ऑनलाइन आवेदन की तिथि और समय: 03.09.2025 को 3:00 बजे तक।

कार्यालय का पता: मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/कर्षण), पश्चिम रेलवे, कोठी कंपाउंड, राजकोट -360001

वेबसाइट: www.ireps.gov.in RJT 090

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

आसिम मुनीर पाकिस्तान के राष्ट्रपति बनेंगे या नहीं? आर्मी ने दिया फाइनल जवाब!

(जीएनएस)।

कई दिनों से अटकलें चल रहीं थी कि पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर पाकिस्तान के अगले राष्ट्रपति बन सकते हैं। अब इसे लेकर पाकिस्तान की सेना ने उन अफवाहों को "आधारहीन" बताया है, जिनमें कहा जा रहा था कि सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर अगले राष्ट्रपति बनने की योजना बना रहे हैं। ये अफवाहें पिछले कुछ हफ्तों से सोशल मीडिया पर फैल रही थीं, जिनमें दावा किया जा रहा था कि मुनीर राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की जगह लेंगे।

क्या सफाई दी?

सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने 'द इकोनॉमिस्ट' को दिए एक इंटरव्यू में स्पष्ट किया कि सेना प्रमुख की राष्ट्रपति पद में कोई रुचि नहीं है और ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। वहीं पाकिस्तान के मीडिया फर्म पीटीवी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। चौधरी ने कहा, "फील्ड मार्शल असीम मुनीर के पाकिस्तान के राष्ट्रपति बनने की बातें पूरी तरह से आधारहीन हैं।"

इससे पहले, 10 जुलाई को आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने भी राष्ट्रपति जरदारी को पद से हटाने की संभावित अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इसे "दुर्भावनापूर्ण अभियान" करार दिया था। नकवी ने जोर देकर कहा था कि राष्ट्रपति जरदारी का सशस्त्र बलों के नेतृत्व के साथ "मजबूत और सम्मानजनक संबंध" है।

पाकिस्तान की ताकत पर ध्यान

नकवी ने यह भी बताया कि जनरल मुनीर का "एकमात्र ध्यान" पाकिस्तान की ताकत और स्थिरता पर है, "और किसी चीज पर नहीं।" ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब पाकिस्तान के राजनीतिक गलियारों में सेना की भूमिका को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, खासकर राष्ट्रपति पद से संबंधित इन अफवाहों के बाद।

बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को मिला नया बूस्ट, सरकार ने जारी की 300 करोड़ की तीसरी किस्त

(जीएनएस)।

बिहार के लाखों युवाओं के लिए एक राहत भरी खबर आई है। राज्य सरकार ने शिक्षा ऋण योजना को और सशक्त बनाने के लिए बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 300 करोड़ रुपये की तीसरी किस्त की स्वीकृति दे दी है। यह राशि बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम लिमिटेड, पटना को दी गई है ताकि छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण की सुविधा समय पर और सुगमता से मिल सके।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अब तक इस योजना के तहत कुल 900 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि यह राशि निगम को शिक्षा ऋण के साथ-साथ जरूरी प्रारंभिक खर्चों को पूरा करने के उद्देश्य से दी गई है।

क्या है इस योजना की खासियत?

छात्रों को अधिकतम 4 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण मिलेगा।

सामान्य छात्रों के लिए ब्याज दर केवल 4% तय की गई है।

महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर छात्रों के लिए ब्याज दर 1% ही है।

ऋण वापसी की प्रक्रिया कोर्स खत्म होने के एक वर्ष बाद या नौकरी मिलने के छह माह बाद से शुरू होती है।

2 लाख रुपये तक का ऋण 60 किस्तों में और 2 लाख से ऊपर का ऋण 84 किस्तों में चुकाया जा सकता है।

समय से पहले भुगतान करने पर 0.25% अतिरिक्त छूट भी दी जाएगी।

सरकार का दावाः रोजगार और शिक्षा दोनों पर फोकस

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की एनडीए सरकार लगातार युवाओं को शिक्षा और रोजगार के नए अवसर देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 39 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। अगले पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना राज्य के युवाओं के लिए एक बड़ा सहारा बन रही है। सरकार द्वारा इस योजना में वित्तीय मजबूती लाना इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में और अधिक छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता मिल सकेगी।

बिजनौर में संदिग्ध हालात में युवक की मौत, चोरों पर लगा हत्या का आरोप

(जीएनएस)।

बिजनौर। हल्दौर थाना क्षेत्र के कुम्हार पूरा गांव में एक 19 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान प्रियांशु पुत्र अनिल कुमार के रूप में हुई है, जो बुधवार देर रात अपने कमरे में सोने गया था। गुरुवार सुबह जब परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोला, तो प्रियांशु का शव कुंडे से लटकता मिला।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, युवक की मौत की खबर से गांव में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया।

प्रियांशु के पिता अनिल कुमार ने घटना को आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए इसे हत्या करार दिया है। उनका आरोप है कि हाल के दिनों में गांव में चोरों का आतंक बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि चोरों ने उनके घर में घुसकर उनके बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को कुंडे से लटका दिया गया।

परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर घटना का शीघ्र खुलासा करने और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

पुलिस अधीक्षक नगर संजीव वाजपेई ने बताया कि मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं और परिजनों की तहरीर के आधार पर पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रिपोर्ट के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मृतक प्रियांशु इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी कर चुका था और ग्रेजुएशन कर रहा था। उसकी अचानक हुई मौत ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है। पुलिस हर पहलु से मामले की जांच कर रही है।

50 की महुआ 65 के पिनाकी के 67 विवाहित दिनः रिसेप्शन में जुटा इण्डिया ब्लॉक! अखिलेश से सोनिया तक, कौन-कौन पहुंचा?

(जीएनएस)।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा और बीजू जनता दल (बीजेडी) के पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा ने 30 मई 2025 को जर्मनी के बर्लिन में गुपचुप शादी रचाई थी। 67 दिन बाद, 5 अगस्त 2025 को दिल्ली के होटल ललित में इस जोड़े ने एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया, जिसमें सियासत के दिग्गजों का जमावड़ा देखने को मिला।

लाल साड़ी में महुआ की चमक और पिनाकी की सादगी ने इस समारोह को सियासी गलियारों की चर्चा का केंद्र बना दिया। आइए जानते हैं, इस रिसेप्शन में कौन-कौन शामिल हुआ और क्या रहा खास?

जर्मनी की शादी, दिल्ली में जश्न

महुआ मोइत्रा (50) और पिनाकी मिश्रा (65) ने 30 मई को बर्लिन के एक ऐतिहासिक महल में बेहद निजी समारोह में शादी की थी। इस समारोह को गुप्त रखा गया, लेकिन बाद में सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो ने इसे सुर्खियों में ला दिया।

दिल्ली के रिसेप्शन में दोनों ने सियासी और निजी रिश्तों को सेलिब्रेट किया। महुआ सुनहरी कढ़ाई वाली लाल साड़ी और पारंपरिक सोने के गहनों में नजर आईं, जबकि पिनाकी ने लाल बॉर्डर वाली सफेद पारंपरिक पोशाक में शालीनता बिखेरी।

होटल ललित में आयोजित इस रिसेप्शन में सियासत की अलग-अलग धारा के नेताओं का संगम देखने को मिला। कांग्रेस की दिग्गज नेता सोनिया गांधी, राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन के साथ डिनर टेबल पर नजर आईं। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी, और पंजाब के उट भगवंत मान की मौजूदगी ने इस आयोजन को सियासी रंग दिया।

कुंवर दानिश अली (पूर्व कांग्रेस सांसद) ने एक्स पर लिखा, '17वीं लोकसभा के सहयोगियों के साथ फिर से जुड़कर एक शानदार शाम बिताई। बातचीत, सौहार्द, और जश्न का माहौल था।'

सागरिका घोष (TMC सांसद, राज्यसभा उपनेता) ने कहा, 'खूबसूरत दुल्हन महुआ और पिनाकी को इस शानदार रिसेप्शन पर ढेर सारी खुशियां। बधाई! सुप्रिया सुले ने लिखा, 'महुआ और पिनाकी को बधाई! आपके लिए खुशी और आनंद से भरी यात्रा की कामना।'

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेरठ जिले के अमेहरा आदिपुर ग्राम पंचायत में वित्तीय समावेशन संतृप्ति एवं जागरूकता अभियान का आयोजन

मेरठ 6 अगस्त, 2025: वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा ग्राम पंचायत (जीपी) और शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) में वित्तीय समावेशन (एफआई) योजनाओं के संतृप्ति हेतु 1 जुलाई,2025 से 30 सितंबर,2025 तक तीन महीने की अवधि के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है. इस अभियान के प्रमुख लक्ष्यों में पीएमजेडीवाई के तहत बैंकिंग सेवाओं से वंचित वयस्कों के लिए बैंक खाते खोलना; पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एपीवाई के तहत नामांकन बढ़ाना; डिजिटल धोखाधड़ी की रोकथाम पर जागरूकता सत्र, आदि शामिल हैं.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ जिले के अमेहरा आदिपुर ग्राम पंचायत में एक वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान का आयोजन किया. इस कार्यक्रम का उद्घाटन बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री एस. रामसुब्रमणियन द्वारा मेरठ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में किया गया. इस कार्यक्रम में क्षेत्र प्रमुख सुश्री अर्चना शुक्ला भी उपस्थिति रहीं. इस अभियान में बड़ी संख्या में ग्राहकों द्वारा भाग लिया गया.

कार्यक्रम के दौरान, श्री एस. रामसुब्रमणियन द्वारा मेगा जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान के महत्व और उद्देश्यों पर जोर दिया गया. उन्होंने साइबर धोखाधड़ी जागरूकता और प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी प्रमुख सरकारी योजनाओं पर बहुमूल्य जानकारी भी साझा की.

सुश्री अर्चना शुक्ला द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सशक्तिकरण की भूमिका पर प्रकाश डाला गया और व्यापक जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया गया. विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए.

प्रयागराज एसटीएफ खुफिया इनपुट पर मुठभेड़ में झारखंड के शातिर आरोपी को दबोचा, एके-47 और पिस्टल बरामद

(जीएनएस)।

प्रयागराज जनपद के शंकरगढ़ इलाके में बुधवार देर रात यूपी STF और झारखंड से आए एक वांछित आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया, जिसे बाद में गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बताया जारहा है कि STF को सूचना मिली थी कि झारखंड का एक वांछित अपराधी प्रयागराज की ओर आ रहा है। टीम ने शिवराजपुर चौराहे के पास उसे रोकने की कोशिश की। उसी दौरान आरोपी ने AK-47 और पिस्टल से पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान आरोपी को गोली लगी और वह जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद उसे मौके से पकड़कर पास के अस्पताल ले जाया गया। रळ्क्र के टीम के सदस्य बाल-बाल बच गए और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी पर पहले से कई मामले दर्ज

गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह के रूप में हुई है जो झारखंड के धनबाद का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, वह कई मामलों में फरार चल रहा था और उस पर इनाम भी घोषित था। कुछ समय पहले झारखंड पुलिस ने उसके घर पर नोटिस भी चिपकाया था। STF को शक है कि वह प्रयागराज में किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से आया था। मामले की जांच की जा रही है।

मौके से हथियार बरामद

इस बारे में पुलिस द्वारा जारी सूचना में बताया गया कि मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से एक अङ-47 राइफल, एक पिस्टल, कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। इन चीजों को कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा पुलिस टीम द्वारा यह भी पता करने का प्रयास किया जा रहा है कि बदमाश प्रयागराज क्यों आया था और प्रयागराज में किन लोगों ने उसे शरण दिया था या फिर वह किसके संपर्क में था।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने की घेराबंदी

इस बारे में पुलिस अधिकारियों द्वारा बताया गया कि गुप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी की गई थी। बदमाश द्वारा गोली चलाने के बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम द्वारा गोली चलाई गई, जिसमें वह घायल हो गया।

अमीनाबाद में आवारा पशुओं के लिए टिन शेड तक नहीं, योजना फाइलों में सिमटी

(जीएनएस)।

बिजनौर। स्योहारा थानाक्षेत्र के ग्राम अमीनाबाद में "आवारा पशु सहायता योजना" के प्रभावी क्रियान्वयन की कमी से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। वर्षों बीत जाने के बावजूद सरकार द्वारा घोषित सहायता योजनाओं का लाभ इन्हें पूरी तरह नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने योजना के तहत सैकड़ों आवारा पशुओं को गोद लिया हुआ है, लेकिन आज भी वे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

ग्राम निवासी प्रशांत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव में लगभग 300 आवारा पशु 65 ग्रामीणों द्वारा गोद लिए गए हैं। सरकार की योजना के तहत इन पशुओं के चारे हेतु प्रति पशु ₹50 प्रतिदिन दिए जाने का प्रावधान है, परंतु यह राशि 5-6 महीने की देरी से मिलती है। इससे ग्रामीणों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है।

टिन शेड और पानी की व्यवस्था अधर में

योजना के अनुसार पशुओं को रखने के लिए टिन शेड और पानी की समुचित व्यवस्था की जानी थी, लेकिन वर्षों बाद भी ग्राम अमीनाबाद में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

बरसात, सर्दी और गर्मी झ तीनों ही मौसम में ये पशु खुले में रह रहे हैं, जिससे न केवल पशुओं का जीवन संकट में है बल्कि गांव में बीमारियों और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

शिकायतों का कोई असर नहीं

ग्रामीणों सुरेंद्र सिंह, सोनू सहित कई लोगों ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री पोर्टल और पत्राचार के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो सकी है।

प्रधान का रवैया धमकी भरा

ग्रामीणों का आरोप है कि जब वे ग्राम प्रधान से इस विषय पर बातचीत करते हैं, तो वह उन्हें रउ/रळ एक्ट में फंसाने की धमकी देता है। इससे गांव में भय और असंतोष का माहौल बना हुआ है।

फोन नहीं उठाते जिम्मेदार

इस समस्या पर ग्राम प्रधान और सचिव से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन दोनों ने फोन उठाना भी उचित नहीं समझा।

ग्रामीणों की मांग है कि प्रत्येक पशु के लिए टिन शेड और पानी की व्यवस्था की जाए। चारा भत्ता समय पर प्रदान किया जाए। इसके अतिरिक्त ग्राम प्रधान के धमकीपूर्ण रवैये की जांच हो।

ग्रामीण गोविंद सिंह, सत्यवीर, मीनू, जोगिंदर, अर्जुन, बुद्धू सिंह, जय सिंह, सोमपाल सिंह, प्रशांत गुर्जर, ओमवीर सिंह, सुरेश सिंह, पप्पू, निर्मला देवी, कृपा देवी सिंह, बब्बू सिंह, वेद प्रकाश सिंह, खेम सिंह, महिपाल सिंह, यशपाल सिंह, नरेश देवी, रेणु कुमार, ओकेश देवी, ममता, खेम सिंह समेत अनेक ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर स्थायी समाधान की मांग की है।

सीएम योगी की वजह से अध्यक्ष के नाम के ऐलान में हो रही देरी? लखनऊ में फंसा है मामला

(जीएनएस)।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के ऐलान में लगातार देरी हो रही है। अब बीजेपी का पूरा फोकस पहले नए उपराष्ट्रपति के चयन पर है। पार्टी सूत्रों के हवाले से मीडिया में दावा किया जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान होने में हो रही देरी की वजह दिल्ली नहीं बल्कि लखनऊ है। दरअसल बीजेपी के संविधान के मुताबिक, कम से कम 22 राज्यों और संघ-शासित प्रदेशों में संगठनात्मक चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है।

बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फरर) दोनों ही उत्तर प्रदेश को लेकर बेहद गंभीर हैं। लोकसभा चुनाव में पार्टी को हिंदी पट्टी के सबसे बड़े प्रदेश में बड़ा झटका लगा है। अब यूपी के नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में संघ ने कुछ कसौटियां तय की हैं। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान होगा। बताया जा रहा है कि संघ की खास ताकीद है कि यूपी का नया प्रदेश अध्यक्ष संगठन चलाने में माहिर होना चाहिए। साथ ही, सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ पूरे तालमेल के साथ काम कर सके।

संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है कि गुणों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। क्षेत्रीय और जातीय समीकरण यहां अहम नहीं है। इसके लिए किसी ऐसे नाम का चयन होगा, जो पार्टी के अंदर के हर तरह के असंतोष और

बीजेपी और आरएसएस दोनों ही उत्तर प्रदेश में पार्टी और संगठन को बूथ लेवल तक मजबूत करना चाहते हैं। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। आरएसएस का मानना है कि यूपी का प्रदेश अध्यक्ष संगठन क्षमता और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के गुटबाजी को खत्म करे और सीएम योगी के साथ बेहतर तालमेल बनाकर चले।

उत्तर प्रदेश के अलावा, गुजरात में भी नए प्रदेश अध्यक्ष का चयन किया जाना है। गुजरात में बीजेपी के सामने कांग्रेस के अलावा तेजी से बढ़ती आम आदमी पार्टी की भी चुनौती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान से पहले इन दो प्रमुख राज्यों के संगठनात्मक चुनावों को बिना किसी विरोध और हंगामे के संपन्न कराना बीजेपी और संघ की प्राथमिकता है।

उत्तर प्रदेश में नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की है। इसके अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ भी उनकी लंबी चर्चा है। लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी दलों खास तौर पर अखिलेश यादव और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि सीएम योगी को हटाया जाएगा।

हालांकि, बीजेपी हाईकमान ने हमेशा ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। चुनाव के एक साल बीतने के बाद अब यह स्पष्ट हो चुका है कि सीएम योगी की कुर्सी पर कोई खतरा नहीं है। मौजूदा घटनाक्रम तो यही दिखा रहे हैं कि पार्टी और आरएसएस दोनों ही योगी आदित्यनाथ की पसंद को ध्यान में रखते हुए नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव करना चाहते हैं।

डब्ल्यूएचओ-आईआरसीएच अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला पीसीआईएमएंडएच, गाजियाबाद में शुरू हुई

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय के भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी फामाकीपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) ने आज गाजियाबाद स्थित अपने मुख्यालय में "हर्बल औषधियों की संरक्षा एवं विनियमन" (कार्य समूह-1) और "हर्बल औषधियों की प्रभावकारिता एवं इच्छित उपयोग" (कार्य समूह-3) पर विश्व स्वास्थ्य संगठन-आईआरसीएच कार्यशालाओं के उद्घाटन सत्र की मेजबानी की। इस तीन दिवसीय वैश्विक तकनीकी कार्यशाला का आयोजन आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों और पर्यवेक्षक देशों के विशेषज्ञों

को एक साथ लाकर इन कार्यशालाओं का उद्देश्य नियामक अभिसरण, गुणवत्ता आश्वासन और स्वास्थ्य देखभाल की पारंपरिक प्रणालियों में हर्बल दवाओं की नैदानिक प्रासंगिकता जैसे प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श करना है।

इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने आयुष प्रणालियों के वैज्ञानिक सत्यापन और वैश्विक स्वीकृति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि "कार्य समूह 1 और कार्य समूह 3 के लिए अग्रणी देश के रूप में भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन-आईआरसीएच मंच के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग बढ़ाने में गहराई से संलग्न है।

डब्ल्यूएचओ-आईआरसीएच की अध्यक्ष और डब्ल्यूएचओ में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा के प्रमुख डॉ. किम सुंगचोल ने हर्बल चिकित्सा में सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता मानकों को मजबूत करने में वैश्विक समन्वय के महत्व पर जोर दिया।